<u>रक्षा लेखा नियंत्रक कार्यालय, नं.1, स्टाफ रोड, सिकंदराबाद - 500 009</u>.
(हिंदी कक्ष)

सं. हि0क0/2181/रा0भा0/बैठक दिनांक : 13.04.2015

विषय : 03/2015 को समाप्त तिमाही की राजभाषा
कार्यान्वयन समिति की बैठक का कार्यवृत्त ।

****

इस कार्यालय की 03/2015 को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 30.03.2015 को दोपहर 3.00 बजे सम्मेलन कक्ष में किया गया । बैठक की अध्यक्षता श्री ए. विश्वेश्वर राव, भा.र.ले.से., रक्षा लेखा नियंत्रक महोदय ने की ।

बैठक में निम्नलिखित अधिकारियों तथा सदस्यों ने भाग लिया ।

क्रम सं.	अधिकारी/सदस्य का नाम	पदनाम	बैठक में पद
1.	श्री ए. विश्वेश्वर राव, भा.र.ले.से.	रक्षा लेखा नियंत्रक	अध्यक्ष
2.	श्री बी. बाल जवाहर, भा.र.ले.से.	रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक	उपाध्यक्ष
3.	श्री बी. शिव शंकर, भा.र.ले.से.	रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक	सदस्य
4.	श्री प्रेमसागर मीना, भा.र.ले.से.	रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक	सदस्य
5.	श्री एन. पट्टाभिरामा राव	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सदस्य
6.	श्री जी. जयसूर्यन नायर	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सदस्य
7.	श्री टी. राम मूर्ति	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सदस्य
8.	श्री जी. रमेश कुमार	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	सदस्य
9.	श्री सी. नागराजा राव	लेखा अधिकारी	सदस्य
10.	श्री खाजा मोहियुद्दीन	लेखा अधिकारी	सदस्य
11.	श्रीमती देवकी सुब्रमणियम्	वरिष्ठ हिंदी अनुवादक	सदस्य सचिव

<u>अन्य उपस्थित</u>
श्रीमती एम. विजयलक्ष्मी, लिपिक

''बैठक का कार्यवृत्त''

सर्वप्रथम समिति के नए सदस्यों श्री प्रेमसागर मीना, सहायक नियंत्रक और श्री एन. पट्टाभिरामा राव, वरिष्ठ लेखा अधिकारी का परिचय दिया गया । इसके उपरांत सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष महोदय की अनुमति के साथ बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई ।

<u>मद सं.1</u> - <u>दिनांक 22.12.2014 को आयोजित पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि तथा पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा :</u>

सभी अधिकारियों एवं सदस्यों ने दिनांक 22.12.2014 को आयोजित बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि सर्वसम्मति से कर दी ।

इस कार्यालय में दिनांक 22.12.2014 को आयोजित रा.भा.का.स. की बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा मदवार निम्नानुसार है :-

1. हिंदी कार्यशाला का आयोजन - वे.ले.का. (अ.श्रे) सेना आयुध कोर, सिकंदराबाद में दिनांक 02.03.2015 से 09.03.2015 तक की अवधि के दौरान पाँच दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में 19 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया ।

2. हिंदी प्रशिक्षण - पिछली बैठक में सूचित किया गया था कि प्रशिक्षण के लिए शेष कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना के अधीन प्रशिक्षण के लिए नामित किया जाएगा । तदनुसार मुख्य कार्यालय, वे.ले.का. (अ.श्रे) ई.एम.ई., और वे.ले.का. (अ.श्रे) सेना आयुध कोर में जो कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए शेष हैं उन्हें हिंदी प्रबोध प्रशिक्षण में नामित किया गया है और वे.ले.का. (अ.श्रे) ई.एम.ई., सिकंदराबाद के परिसर में कक्षाएं चल रही हैं ।

3. हिंदी अनुवादक के रिक्त पदों को भरना - पिछली बैठक में सूचित किया गया था कि मुख्यालय कार्यालय से दो कनिष्ठ अनुवादकों के डोज़ियर प्राप्त हो गए हैं । दोनों अनुवादकों ने मुख्य कार्यालय में रिपोर्ट किया जिसके बाद एक अनुवादक को वे.ले.का. (अ.श्रे) ई.एम.ई., सिकंदराबाद में और दूसरे अनुवादक को वे.ले.का. (अ.श्रे) सेना आयुध कोर, सिकंदराबाद में तैनात किया गया है ।

4. वेबसाइट का द्विभाषीकरण - पिछली बैठक में सूचित किया गया था कि इस कार्यालय की वेबसाइट को द्विभाषी बनाया गया परंतु कुछ समस्याएं आ रही हैं । अभी सभी समस्याओं का समाधान कर लिया गया है और वेबसाइट को पूरी तरह द्विभाषी बना लिया गया है । साथ ही साथ उसे समय-समय पर अपडेट भी किया जा रहा है ताकि सारे आदेश और परिपत्र साइट पर दोनों भाषाओं, हिंदी और अंग्रेज़ी में, उपलब्ध हों।

मद सं. 2 - पिछली दो तिमाहियों 09/2014 तथा 12/2014 की हिंदी की तिमाही प्रगति रिपोर्टों की तुलनात्मक समीक्षा :

इस संगठन की पिछली दो तिमाहियों 09/2014 तथा 12/2014 की तिमाही प्रगति रिपोर्टों के आंकडों की तुलनात्मक समीक्षा निम्नानुसार है :-

1. धारा 3(3) के अधीन जारी किये गये कार्यालय आदेश भाग 1, कार्यालय आदेश भाग 2, परिपत्र आदि :

तिमाही का नाम	कुल जारी	द्विभाषी	अंग्रेज़ी
09/2014	299	299	शून्य
12/2014	233	233	शून्य

2. हिंदी पत्राचार की स्थिति :

तिमाही का नाम	हिंदी पत्रों की संख्या	अंग्रेज़ी पत्रों की संख्या	हिंदी पत्रों का प्रतिशत
09/2014	10597	5965	63.98%
12/2014	10147	7080	58.90%

हिंदी पत्राचार के प्रतिशत में गिरावट को अध्यक्ष महोदय ने बहुत गंभीरता से लिया और पूछा कि प्रतिशत में गिरावट का क्या कारण है । सदस्य सचिव ने बताया कि व्यावहारिक रूप से हिंदी पत्रों की संख्या में कोई खास गिरावट नहीं है परंतु अंग्रेज़ी पत्रों की संख्या में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है । इस पर अध्यक्ष महोदय ने कहा कि मुख्यालय कार्यालय को यह सुझाव दिया जा सकता है कि हिंदी पत्रों की संख्या में हो रही वृद्धि को महत्व दिया जाना चाहिए क्योंकि इसी से हिंदी पत्राचार में वृद्धि का पता चलता है । अंग्रेज़ी पत्रों की संख्या से इसकी तुलना करने से हिंदी पत्राचार को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का फल नहीं मिलता ।

मद सं. 3 - रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली के कार्यालय से प्राप्त महत्वपूर्ण पत्रों / परिपत्रों पर कार्रवाई की समीक्षा -

समिति को अवगत कराया गया कि पिछली तिमाही में महानियंत्रक कार्यालय से कुल 12 पत्र प्राप्त हुए हैं। इसमें से एक पत्र में सभी वेबसाइटों को भी द्विभाषी करने पर ज़ोर दिया है । इस संबंध में इस कार्यालय में यह कार्य पूरा कर लिया गया है और इसकी सूचना मुख्यालय कार्यालय को भेज दी गई है । एक और पत्र में मुख्यालय कार्यालय ने वर्ष 2015-16 के राजभाषा निरीक्षण कार्यक्रम का विवरण माँगा था । नियंत्रक महोदय द्वारा अनुमोदित निरीक्षण कार्यक्रम की प्रति मुख्यालय कार्यालय को उपलब्ध करा दी गई है । समिति को सूचित किया गया कि हिंदी पत्राचार के प्रतिशत में गिरावट के संबंध में मुख्यालय कार्यालय से एक पत्र प्राप्त हुआ है । अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हिंदी पत्राचार बढ़ाने हेतु सभी प्रयास किए जाएं और इस संबंध में हमारे सुझाव को भी मुख्यालय कार्यालय को बताया जाए ।

समिति को बताया गया कि महानियंत्रक कार्यालय से प्रकाशित ''रक्षा लेखा भारती'' नामक गृह पत्रिका के लिए रचनाओं की माँग की गई है । इस संबंध में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा रचनाएं प्राप्त करके भेजने का प्रयास करें । समिति को सूचित किया गया कि मार्च 18 आौर 19 को रक्षा मंत्रालय (वित्त), नई दिल्ली द्वारा इस संगठन के तीन कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया जिससे संबंधित पत्र मुख्यालय कार्यालय से प्राप्त हुए हैं और उन पर कार्रवाई की गई । निरीक्षण के संबंध में अलग से चर्चा की गई ।

मद सं. 4 - वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा - समिति के सदस्यों को बताया गया कि इस कार्यालय ने लगभग सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है । द्विभाषी वेबसाइट पर भी कार्य पूरा हो गया है । अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इन लक्ष्यों के होते हुए भी हमें स्वयं कुछ लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए जिसे प्रत्येक तिमाही में पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए । इस तिमाही का लक्ष्य है कि लैन के माध्यम से भेजे जाने वाले ''रिजेक्शन मेमो'' को द्विभाषी बनाया जाए । वरिष्ठ अनुवादक ने बताया कि शीघ्र ही ''ट्यूलिप'' एप्लीकेशन प्रारंभ कर दिया जाएगा जिससे विंडोज़ वातावरण में उपलब्ध ''फॉक्सप्रो'' एप्लीकेशन को हटा दिया जाएगा और ''ट्यूलिप'' एप्लीकेशन लनीक्स ऑपरेटिंग सिस्टम पर बना है जिसमें ए.पी.एस. साफ्टवेयर काम नहीं करता है । इस समय जो भी द्विभाषी काम लैन पर हो रहा है वह ए.पी.एस. साफ्टवेयर के माध्यम से हो रहा है । अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इस संबंध में आ रही समस्या और द्विभाषी करने के लिए क्या आवश्यक है इसकी जानकारी आई.टी.एस.डी.सी. को दी जाए ताकि लैन पर भी द्विभाषी काम आसानी से किया जा सके । अध्यक्ष महोदय ने ई.डी.पी. के ग्रूप अधिकारी से कहा कि वे इस विषय में आई.टी.एस.डी.सी. से संपर्क में रहें और ''ट्यूलिप'' और ''वेबसाइट'' के संबंध में हो रही प्रगति को मोनीटर करें ।

<u>मद सं. 5</u> - <u>संगठन में हिंदी संवर्ग की समीक्षा</u> :

इस संगठन में हिंदी संवर्ग की स्थिति निम्नानुसार है :

क्रम सं.	पद	प्राधिकृत	तैनात	रिक्त
1.	हिंदी अधिकारी	02	शून्य	02
2.	वरिष्ठ हिंदी अनुवादक	01	01	शून्य
3.	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	02	02	शून्य
4.	हिंदी टंकक	02	01	01

समिति को सूचित किया गया कि दो नए अनुवादकों के आ जाने पर हिंदी संवर्ग की स्थिति बेहतर हो गई है । अध्यक्ष महोदय ने कहा कि उनकी सेवाओं का पूरा लाभ लेते हुए संगठन में हिंदी पत्राचार की स्थिति को और भी अच्छा किया जाए ।

<u>मद सं. 6</u> - <u>अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अधिकारियों/सदस्यों की ओर से अन्य कोई सुझाव</u> :

<u>रक्षा मंत्रालय (वित्त) द्वारा राजभाषा निरीक्षण</u> - समिति को बताया गया कि श्री ए.एम. विजयन, उप-वित्तीय सलाहकार और श्री नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा मत्रालय (वित्त), नई दिल्ली द्वारा कार्यालय, लेखा अधिकारी, जी.ई., गोलकोंडा, हैदराबाद, वेतन लेखा कार्यालय (अ.श्रे) ई.एम.ई., सिकंदराबाद और वेतन लेखा कार्यालय (अ.श्रे) सेना आयुध कोर, सिकंदराबाद का राजभाषा निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की गई । अध्यक्ष महोदय ने कहा कि निरीक्षण टीम की टिप्पणियों को सूचित करते हुए एक नोट प्रस्तुत किया जाए ।

<u>सुझाव सं. 1</u> - वरिष्ठ अनुवादक ने कहा कि अगली तिमाही में क्षेत्रीय लेखा कार्यालय (थलसेना) विशाखापट्टणम् में हिंदी कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव है ।

<u>सुझाव सं. 2</u> - वरिष्ठ अनुवादक ने बताया कि कार्यालय की वेबसाइट में हिंदी और अंग्रेज़ी पोस्ट साथ-साथ करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है परंतु फिर भी कुछ पत्र केवल अंग्रेज़ी वेबसाइट में अपलोड करने के लिए दे दिए जाते हैं जिससे हिंदी अनुवाद बनाकर अपलोड करने में समय लग रहा है । अत: सभी ग्रूप अधिकारियों और व.ले.अ./ले.अ. ने अनुरोध किया गया कि वे हिंदी कक्ष को पत्र की प्रति अनुवाद हेतु अपलोड करने से पहले देने का प्रयास करें । कुछ सदस्यों ने कहा कि समय की कमी और तत्काल कार्रवाई के लिए कुछ पत्र पहले अपलोड किए गए हैं परंतु भविष्य में हिंदी अनुवाद के साथ अपलोड करने का प्रयास किया जाएगा ।

सुझाव सं. 3 - अध्यक्ष महोदय ने कहा कि सभी ग्रूप अधिकारी और व.ले.अ./ले.अ. अपने-अपने अनुभागों में देख लें कि क्या सभी नेमी पत्राचार द्विभाषी है या नहीं । विशेषकर र.ले.प्र नि (पेंशन), इलाहबाद और र.ले.नि. (निधि), मेरठ को जाने वाले पत्र द्विभाषी ही भेजना चाहिए । अधिकारियों ने बताया कि उपरोक्त दोनों कार्यालयों को पत्र द्विभाषी ही भेजे जाते हैं ।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई ।

रक्षा लेखा नियंत्रक महोदय ने देख लिया है ।

हस्ता/-
(जी. जयसूर्यन नायर)
वरिष्ठ लेखा अधिकारी (प्रशा)

सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. हिंदी अधिकारी, रक्षा लेखा महानियंत्रक, पालम. दिल्ली ।
2. उप-निदेशक (राजभाषा), हिंदी अनुभाग, रक्षा मंत्रालय (वित्त प्रभाग), नई दिल्ली ।
3. सचिव,नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, संतोषनगर, हैदराबाद।
4. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोरमंगला, बेंलगूर ।
5. सभी अधिकारी / सदस्य (उनके नाम से)
6. सभी प्रभारी अधिकारी, सभी अधीनस्थ कार्यालय (मानक सूची के अनुसार)/ सभी अनुभाग (स्थानीय)

हस्ता/-
वरिष्ठ लेखा अधिकारी (प्रशा)